आख्या संख्या: 41/ जि0 उ0(दैवीय आपदा)–पुनर्वास/2013–14

विषयः श्री अब्बलदास पुत्र श्री शेरदास ग्राम कान्सी, तहसील चिन्यालीसौड़, जनपद उत्तरकाशी में प्री–फैब्रीकेटिड आवासीय भवन निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल की टोही भूगर्भीय निरीक्षण *(Reconnaissance)* आख्या।

कार्यालय जिलाधिकारी, जनपद उत्तरकाशी द्वारा प्रभारी सचिव, कार्यक्रम निदेशक, पी.एम.यू.राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून को प्रेषित पत्र संख्या 1185/तेरह–आपदा प्रबन्धन (2013) दिनांक 26 नवम्बर 2013 को प्रेषित पत्र के साथ संलग्न सूची के अनुसार जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधोहस्ताक्षरी को प्रदत्त मौखिक आदेश दिनांक 26 नवम्बर 2013 के अनुपालन के क्रम में श्री मुकेश सिंह बिष्ट, कनिष्ठ अभियन्ता, (मो.नं. 9617223773) उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम तथा श्री मोहन सिंह राणा, राजस्व उपनिरीक्षक (मो.नं–9557273060) के सहयोग से अधोहस्ताक्षरी द्वारा भूभाग के भूगर्भीय निरीक्षण कार्य की आख्या निम्नवत है:–

जनपद मुख्यालय उत्तरकाशी से 35 किमी0 की दक्षिणवत् दूरी पर स्थित तहसील चिन्यालीसौड से उत्तरकाशी–चम्बा मोटर मार्ग पर शिवेर बैण्ड से चापड़ा कच्चे हल्के वाहन मोटर मार्ग *(LVR)* पर 07 किमी0 के उपरान्त बाइफरकेशन से लगभग लालडूंगी–कोटी कच्चे हल्के वाहन मोटर मार्ग *(LVR)* पर 3 किमी0 की दूरी पर ग्राम कांसी अवस्थित है। ग्राम के दक्षिणवत् दुलपैरा सूखा नाला क्षेत्र में प्रथम स्थल स्थित है। तथा द्वितीय स्थल दुलपैरा सूखे नाले के बांये फ्लैंक पर पहाड़ी ढलानयुक्त भूभाग पर है। तथा तृतीय स्थल लालडूंगी–कोटी कच्चे हल्के वाहन मोटर मार्ग चापड़ा कच्चे हल्के वाहन से बाइफरकेशन से लगभग 2 किमी0 की दूरी पर मार्ग के अपहिल में अवस्थित है।

प्रश्नगत क्षेत्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग की *1:50,000* पैमाने की टोपोशीट संख्या 53J/5 में पड़ता है। राजस्व अभिलेखों में भूमि ग्राम कान्सी, मध्ये निजी नापभूमि के अन्तर्गत खाता संख्या 27 में खसरा न. 346: (रकबा 0.005 है0) में के प्रीफैब्रीकेटेड आवासीय भवन निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में निकटवर्ती भूखण्डों में पूर्वनिर्मित भवन उचित स्थिति में है।

भूगर्भीय दृष्टिकोण से यह भूभाग लघु हिमालय पर्वत श्रृंखला के जौनसार समूह में चांदपुर फार्मेशन में वर्गीकृत भूभाग के अन्तर्गत है। स्थल के अन्तर्गत यथावत चट्टानों के एक्सपोजर दृष्टिगोचर नहीं होते हैं। अधिकांशतया यहाँ कणयुक्त ग्रीनिश से ग्रेइश पतली परतरित *(thinly foliated)* फिलाइट/शैल्स चट्टानों के फ्रेगमेन्टस कुछ क्वार्टजाइटिक फ्रेगमेन्ट्स के साथ ओवरबर्डन में मिश्रित अवस्था में उपस्थिति हैं। प्रस्तावित भूभाग के उच्च व निम्न कन्टूर लेवलों पर भूस्थलाकृति अल्प ढलानयुक्त *(slope)* है।

सुझाव एवं शर्तें:–

प्रीफैब्रीकेट भवन के स्थायित्व हेतु पृष्ठ भाग के सोपान से प्रीफैब्रीकेटेड भवन का निर्माण यथोचित दूरी छोड़ते हुए अपहिल से वर्षा जल व प्रयुक्त जल की सुरक्षित निकासी हेतु सतही/अन्तर्सतही जल को सुव्यवस्थित रूप से नियन्त्रित किये जाने की व्यवस्था एवं सोकपिट के निकट अन्तर्सतही जल के कारण प्री–फैब्रीकेटेड प्रकृति के आवासीय भवन में अवतलन रोकने के उपाय नितान्त आवश्यक होंगे। स्थल पर विद्यमान ओवरबर्डन की मोटाई के सापेक्ष नींव की गहराई के आकलन को यथोचित गहराई तक भवन की नींव को स्थायित्व–स्थिरता स्थापित रखने एवं अवतलन *(subsidence)* को प्रतिबन्धित करने हेतु रखा जाना नितान्त आवश्यक होगा। प्री–फैब्रीकेटेड आवासीय भवन के चारों ओर भेद्यता *(Vulnerability)* को न्यून करने हेतु परिसर को पक्का करना उपाय किये जाने अपरिहार्य होंगे, अन्यथा की दशा में भेद्यता में वृद्धि होगी।

निष्कर्ष–

प्रथम दृष्टया, इस भूखण्ड पर उपरोक्त सुझावों एवं शर्तों के अनुपालन के तहत प्री–फैब्रीकेटेड प्रकृति के आवासीय भवन का निर्माण किये जाने हेतु भूगर्भीय दृष्टिकोण से उपयुक्त समझा जाता है।

दिनांक 5 दिसम्बर, 2013
स्थान: कैम्प लदाड़ी, उत्तरकाशी

(दीपेन्द्र सिंह चन्द)
सहायक भूवैज्ञानिक
Mob: 8192802331
Email id: [illegible]